रूठ गई प्रकृति, हर तरफ तबाही

अब बौंठा गांव में फटा बादल, मां-बेटे बहे, 300 खेत हुए तबाह

अमर उजाला ब्यूरो

देवप्रयाग। टिहरी जिले की भरपुर पट्टी के बौंठा गांव जंगल में बादल फटने से मां-बेटे पानी के उफान में बह गए। जबकि मां-बेटी घायल हो गई। खेत भी नहीं बचे। पुलिया बहने से क्षेत्र के करीब पांच दर्जन गांवों का देश-दुनिया से संपर्क कट गया है। घटना की सूचना मिलने पर काबीना मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी, स्थानीय प्रशासन के अधिकारी और गडोलिया से आपदा राहत दल के सदस्य मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया।

बादल फटने के बाद खेतों को इस तरह तबाह कर गया मलबा।

देवप्रयाग के भरपुर पट्टी में बौंठ गांव के जंगल में सोमवार रात 12 बजे बादल फट गया। इससे मरोड़ा गांव की सुखदे देवी (उम्र 35 वर्ष पत्नी स्व. शिव सिंह) और उसका 10 वर्षीय पुत्र विकास पानी की तेज धारा में बह गए। दोनों बौंठ गदेरे के पास स्थित घराट में गेहूं पीसने के लिए आए थे। यहां ग्रामीण रातभर भी गेहूं पीसते हैं। वहीं अपने खेतों की रखवाली के लिए आई शैलनी देवी (पत्नी कान सिंह) और उसकी पुत्री मोनिका भी गदेरे के तेज प्रवाह में बह निकली। थोड़ी दूरी पर ही उन्होंने एक बड़े पत्थर को पकड़ लिया, तभी वहां अन्य ग्रामीण आ गए और दोनों को बचाया जा सका। बादल फटने से मरोड़ा गांव की 100 नाली भूमि में बने 300 खेत बह गए हैं, जबकि क्षेत्र के बौंठ, डोभ, असाड़ी, मांडा, मंज्यारी, बमाणा, बिंदवा, दनसाड़ा, टोल, देवल्ड गांव, गगवाड़ी, भिकोलगांव, भेंट सहित 60 गांवों को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली पुलिया बह गई हैं, जिससे कई गांव संपर्क से कट गए हैं। सूचना मिलने पर एसडीएम बीके तिवारी, राजस्व उपनिरीक्षक अरविंद बिजल्वाण, दिनेश रावत, ओमप्रकाश और गडोलिया से पहुंची आपदा प्रबंधन की 10 सदस्यीय टीम ने पहुंचकर राहत कार्य शुरू कर दिया।

- मां-बेटी घायल, नहीं बचे खेत, तीन पुलिया बही
- 60 गांवों का देश के अन्य हिस्सों से संपर्क कटा

ये पुलिया जोड़ती हैं भरपुर पट्टी के गांवों को

- भरपुर से डोभ होते हुए मरोड़ा।
- बौंठ तथा डोभ होते हुए मरोड़ा को जोड़ने वाली बड़ी पुलिया।
- बौंठ से किरोड़ को जोड़कर संपर्क बनाने वाली पुलिया।

भवनों को छूकर निकल गया सैलाब।

स्थानीय प्रशासन को शीघ्र आंकलन कर टूटी हुई पुलियाओं पर निर्माण कार्य शुरू कराने के निर्देश दे दिए गए हैं। ताकि सभी गांवों का संपर्क सड़क मार्ग से बना रहे तथा रसद व अन्य जरूरी सामान का संकट पैदा न हो। इसके साथ ही आपदा प्रभावित परिवारों को भी जल्द ही मुआवजा दिलाया जाएगा। - ***मंत्री प्रसाद नैथानी,*** *काबीना मंत्री और विधायक।*